

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग **II--खण्ड** 3--उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 283]

नई विल्ली, मंगलवार, जून 22, 1976/प्राषाद् 1, 1898

No. 2831

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 22, 1976/ASADHA 1, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER No. 11/76

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 22nd June 1976

S.O. 422(E)/I.E.C.A./4/76.—In exercise of the powers conferred by Sections 3 and 4-'A' of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Imports (Control) Order, 1955, namely:—

- 1. This Order may be called the Imports (Control) Fourth Amendment Order, 1976.
- 2. In the Imports (Control) Order, 1955-
 - (a) Sub-clause 11(2)(a)(i) shall be amended to read as under:
 - "(i) by hospitals or medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed Rs. 10,000.00."
 - (b) Sub-clause 11(2)(b)(l) shall be amended to read as under:
 - "(i) by hospitals or medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed Rs. 25,000.00."
 - (c) Sub-clause 11(2)(e) shall be substituted as under:
 - "Scientific instruments, equipments, apparatus and appliances, whether electronic or electrically operated or otherwise, replacement parts thereof and components required for the construction of scientific instruments, equipments, apparatus and appliances, whether electronic or electrically operated or otherwise and raw materials required for research and development and

declared as such, by Research and Development units recognised by the Department of Science and Technology, Government of India, New Delhi, all government research institutions under the Central or a State Government, universities, Indian Institutes of Technology, research laboratories/institutions of Council of Scientific and Industrial Research, Indian Council of Agricultural Research, Indian Council of Medical Research and Indian Institute of Science, Bangalore and Indian School of Mines, Dhanbad for their own use upto a value not exceeding Rs. 1.00 lakh (c.i.f.) in a financial year. The importer shall give a declaration to the customs authorities at the time of clearance indicating the c.i.f. value of such goods already imported in the same year. It shall also be obligatory on the part of the importer to inform the Department of Science and Technology, Government of India, New Delhi, within 30 days of the clearance of the goods through customs, the particulars of the goods imported."

(d) The following sub-clause 11(2)(1) shall be inserted after the existing sub-clause 11(2)(k):—

"scientific instruments, equipments, apparatus and appliances, whether electronic or electrically operated or otherwise, replacement parts thereof and components, required for construction of scientific instruments, equipments, apparatus and appliances, whether electronic or electrically operated or otherwise by technical and research institutions or government research and analytical laboratories including colleges and other institutions not covered by subclause 11(2)(e) of this Order, technical and educational institutions recognised by University Grants Commission/Ministry of Education including engineering, medical and agricultural colleges, both government and private for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed Rs. 25,000.00 in one lot per annum subject to the condition that if the second alternative is preferred then at the time of clearance, the importer shall give a declaration to the customs authorities to the effect that he has not and shall not avail of the facility of importing these articles upto Rs. 25,000.00, in value, at any one time during the same financial year."

(e) The following sub-clause 11(2)(m) may be deemed to have been inserted after the existing clause 11(2)(1):

"by hospitals, medical institutions including nursing homes and registered medical practitioners, the family planning equipments specified below, without any monetary limit, provided the same are required for their own use:

- 1. Laproscope with accessories and spares thereof.
- 2. Culdoscope with accesories and spares thereof.
- Hysteroscope with accessories and spares thereof.
- 4. Vacuum suction apparatus and spare parts thereof."

[No. 11/76]

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

भ्रादेश संख्या 11/76

ग्रायास ब्यापार निर्यञ्जण

नई दिल्ली, 22 जून, 1976

एस॰ मो॰ 422 (म) /मार्षे॰ रैं॰ सी॰ ए॰/ 4 / 76.~ न्यायात मौर निर्यात (नियंत्रण) स्राधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 मौर 4-ए के मन्तर्गत प्रात्मधिकारों को

प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्क्षारा आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में और आगे संशो-धन करने के लिए निम्नलिखित आदेश का निर्माण करती है, अर्थात्

- 1. इस ग्रादेश को ग्रायात (नियंत्रण) चौथा संशोधन श्रादेश, 1976 की संज्ञा दी जाए।
- 2. म्रायात (नियंत्रण) म्रादेश, 1955 में :---
 - (क) उप-ग्रनुच्छेद 11(2) (क) (1) को निम्न प्रकार से पढ़ने के लिए संशोबित किया जाएगा:---
 - "(1) श्रस्यतालों या चिकित्सा संस्थान्नों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बगर्ते कि किसी एक समय में श्रायातित ऐसे माल का लागत बीमा भाड़ा मूह्य 10,000.00 रुपए से उपादा नहीं होगा।
 - (ख) उप-म्रनु**ण्छेद** 11(2) (बी) (1) को निम्न प्रकार से पढ़ने के लिए संशोधि^त किया जाएगा:---
 - (1) ग्रस्पतालों या चिकित्सा संस्थाग्रों द्वारा उनके स्वयं के प्रयोग के लिए बक्षर्ते कि किसी एक समय में श्रायातित ऐसे माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य 25,000.00 रुपए से ज्यादा नहीं होगा।''
 - (ग) उप-म्रनुच्छेद 11 (2)(ई) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा :-
 - "वैज्ञानिक भौजार उपकरण, संयंत्र भौर भनुषंगी चाहे वे इलक्ट्रानिक या विद्युत द्वारा या अन्य प्रकार से चालित हों, उनके प्रतिस्थापन पुर्जे तथा वैज्ञानिक भौजारों, उपकरणों, संयद्गों भौर भन्षंगिकों के निर्माण के लिए अपेक्षित संयटक चाहे वे इलेक्ट्रानिक या विद्युत द्वारा या भ्रन्य प्रकार से चालित हों, ग्रन्संघान एवं विकास तथा इसी तरह घोषित कार्यों के लिए विज्ञान तथा टेक्नालाजी विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंघान एवं विकास एककों द्वारा केन्द्र या राज्य सरकार के प्रधीन की सभी सरकारी अनुसंधान संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, भारतीय टेक्नालाजी संस्थाओं, वज्ञानिक श्रीर भौद्योगिक अनुसंधान परिषद् की अनुसंधान प्रयोगशालाओं/ संस्थानों, भारतीय कृषि श्रनुसंधान परिषद्, भारतीय चिकित्सा श्रनुसंधान परिषद् तथा भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलीर एवं भारतीय स्कूल श्राफ माइन्स, धनबाद द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए ग्रपेक्षित कच्चे माल जो एक वित्तीय वर्ष में 1.00 लाख (लागत बीमा भाड़ा) रुपए से ग्रधिक मूल्य का नहीं होगा । निकासी के समय प्रायातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों को उसी वर्ष में पहले ही भ्रायात किए गए ऐसे माल के लागत बीमा भाड़ा मूल्य का संकेत करते हुए एक घोषणा पत्न देगा । श्रायातक के लिए यह भी श्रावश्यक होगा कि वह सीमा शुल्क के माध्यम से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर ग्रायातित माल के ब्यौरों की सूचना विज्ञा तथा टैक्नालाजी, भारत सरकार, नई दिल्ली को सुचित करे।
 - (घ) वर्तमाम उप-म्रमुच्छेद 11 (2) (के) के बाद निम्मलिखित उप-म्रमुच्छेद 11(2) (एल) को निविष्ट किया जाएगां :--

''वैज्ञानिक श्रौजार, उपकरण, संयंद्र श्रौर श्रनशंगी चाहे वे इलैक्ट्रानिक या बिजली द्वारा चालित हों या अन्य द्वारा चालित हों, उन हे प्रतिस्थापन पूर्जे एवं वैज्ञानिक भौजारों, उपकरणों, संयंत्र एवं श्राषंगी के विनिर्माण करने के लिए संघटकों जिन की ग्रावश्यकता इस ग्रादेश हे उन-प्रनुच्छेद 11(2) (घ) के श्रन्तर्गत नहीं ग्राने वाले कालेज श्रीर श्रन्य संस्थाओं सहित तकनीकी एवं श्रनसंधान संस्थायो श्रथवा सरकारी श्रनसंधान एवं विशलेषण प्रयोगशालायों इंजीनियरिंग चिकित्सा एवं कृषि कालेज सरकारी एवं निजो दोनों सहित विश्वविद्यालय भनदान-भायोग / शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त तकनीकी एकं मौक्षिक संस्थान्त्रों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिए है बमार्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे श्रायातित माल का लागत बीभा भाड़ा मृत्य 5,000.00 रुपए से अधिक नहीं होगा। या प्रति वर्ष एक लाट में 25,000.00 रुपए से अधिक नहीं होंगा। श्रीर यह इस शर्त के अधीन होगा कि यदि दूसरा विकला बना जाता है तो निकासी के समय श्रायातक इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घौषणा पत्न देगा कि उसने किसी एक समय में उसी वित्तीय वर्ष के दौरान 5,000,00 रुपए मृल्य तक के लिए इन मदों को श्रायात करने की सुविधा को उपलब्ध नहीं किया है श्रीर न ही करेगा।"

(ङ) वर्तमान श्रनुच्छेद 11 (2) (1) क बाद निम्निनिश्चित उप-ध्रनुच्छेद 11 (2) को जोड़ा गया समझा जाए:--

"उपचार्य गृहों , ग्रौर पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायों सहित श्रस्पतालों ; चिकित्सा संस्थाग्रों द्वारा किसी भी वित्त सोमा के बिना नीचे बिलिध्कृत परिवार नियोजन संबंधी उपकरण, बगर्ने कि उनकी ग्रावश्यकता उा के स्वयं के उपयोग के लिए हैं:—

- 1. भनषंगी के साथ लेप्रोस्कोप भौर उसके पूर्जे।
- 2. श्रनुषंगी के साथ गुल्डोस्कोप श्रीर उसके पुर्जे।
- 3. श्रनुषंगी के साथ हिस्ट्रोस्कोप श्रौर उत्तके पुर्जे।
- 4. वैक्यूम सकशत संयंत्र श्रौर उनके फालतू पुर्जे ।

[संख्या 11/76] पी० कें कौल, भुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात ।